जैविक खाद

गौठान मे जैविक खाद बनाई जाति है जिसके लिए सबसे पहले गोबर को एक टंकी जैसी बनी संरचना मे 15 से 20 दिनों के लिए डाली जाति है जिसमें कुछ मात्रा मे केछुए भी डाले जाते है , इसके बाद इसमें नमी के लिए घास एवम बोरी से ढांक दिया जाता है और समय समय पर पानी का छीडकाव किया जाता है । बनी हुई उर्वरक को छान के अलग से दूसरी टैंक मे रख लिया जाता है फिर ऐसे पैक कर के बेच दिया जाता है।

अजोला टैंक

गौठान मे अजोला टैंक है जिसमें अजोला उगाई गई है अजोला एक तैरती हुई फर्न है जो शैवाल से मिलती । अजोला एक जैव उर्वरक है।एक तरफ जहाँ इसे धान की उपज बढ़ती है वहीं ये कुक्कुट, मछली और पशुओं के चारे के काम आता है। अजोला सस्ता, सुपाच्य, पौष्टिक, पूरक पशु आहार है। इसे खिलाने से पशुओं के दूध में वसा व वसा रहित पदार्थ सामान्य आहार खाने वाले पशुओं की अपेक्षा अधिक पाई जाती हैं।

सौर ऊर्जा

गौठान मे पानी और बिजली कि पूर्ति के लिए सौर ऊर्जा का प्रयोग किया गया है जिससे यहाँ बिजली एवं पानी कि सुविधा मिलती है ।

फिनाइल

यहा कि महिला समूह द्वारा फिनाइल निर्माण के लिए एक बड़े से बर्तन मे एक प्रकार का लीकवीड डाला जाता है फिर उसे मिनरल वाटर के साथ मिक्स किया जात है उसके बाद उसमें इत्र डाल कर खुला छोड़ दिया जाता है फिर उसे डिब्बों मे पैक कर के बेचा जाता है ।